

प्रश्न 2 :- ससंदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए (3 में से 2)

(10)

- 1) सूत्रधार? जानते हो, अब किसी भी नाटक का कोई सूत्रधार नहीं होता, मेरे सिवा? अब हर नाटक का सूत्रधार मैं हूँ, मैं ही होता हूँ, मैं ही रहूँगा।”
- 2) मजाक तो आप लोगों ने खुद अपना बना रखा है। पहले राजतंत्र में बना रखा था, अब लोकतंत्र में बना रखा है।
- 3) अरे, शरीफ आदमी हैं आप। कहां उलझते हैं? इस तरह उलझिएगा तो कैसे चलेगा? कहां तक लडिऐगा? किस-किस से लडिऐगा?

प्रश्न 3:- निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर लिखिए (3 में से 2)

(10)

- 1) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।
- 2) ‘अब गरीबी हटाओ’ नाटक में चित्रित समस्याएं लिखिए।
- 3) ‘अब गरीबी हटाओ’ और ‘लडाई’ नाटक के शीर्षक की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4:- 1) ‘अब गरीबी हटाओ’ नाटक की कथावस्तु लिखिए।

(10)

अथवा

- 1) ‘लडाई’ नाटक में राजनीति के भ्रष्टाचार को किसप्रकार चित्रित किया है, स्पष्ट कीजिए।